4

# खिलौने वाला

वह देखो मा! आज
खिलौनेवाला फिर से आया है।
कई तरह के सुंदर–सुंदर
नए खिलौने लाया है।
हरा–हरा तोता पिंजड़े में
गेंद एक पैसे वाली
छोटी–सी मोटर गाड़ी है
सर–सर–सर चलने वाली।
सीटी भी है कई तरह की
कई तरह के सुंदर खेल
चाभी भर देने से भक–भक
करती चलने वाली रेल।
गुड़िया भी है बहुत भली–सी
पहिने कानों में बाली
छोटा–सा 'टी सेट' है
छोटे–छोटे हैं लोटा–थाली।
छोटे–छोटे धनुष–बाण हैं
हैं छोटी–छोटी तलवार
नए खिलौने ले लो भैया
ज़ोर ज़ोर वह रहा पुकार।
मुन्नू ने गुड़िया ले ली है
मोहन ने मोटर गाड़ी
मचल–मचल सरला कहती है
माँ से लेने को साड़ी
कभी खिलौनेवाला भी माँ
क्या साड़ी ले आता है।
साड़ी तो वह कपड़े वाला
कभी–कभी दे जाता है
अम्मा तुमने तो लाकर के

मुझे दे दिए पैसे चार
कौन खिलौना लेता हूँ मैं
तुम भी मन में करो विचार।
तुम सोचोगी मैं ले लूँगा।
तोता, बिल्ली, मोटर, रेल
पर माँ, यह मैं कभी न लूँगा
ये तो हैं बच्चों के खेल।
मैं तलवार खरीदूँगा माँ
या मैं लूँगा तीर–कमान
जंगल में जा, किसी ताड़का
को मारूँगा राम समान।
तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों–
को मैं मार भगाऊँगा
यों ही कुछ दिन करते–करते
रामचंद्र बन जाऊँगा।
यहीं रहूँगा कौशल्या मैं
तुमको यहीं बनाऊँगा।
तुम कह दोगी वन जाने को
हँसते–हँसते जाऊँगा।
पर माँ, बिना तुम्हारे वन में
मैं कैसे रह पाऊँगा।
दिन भर घूमूँगा जंगल में
लौट कहाँ पर आऊँगा।
किससे लूँगा पैसे, रूठूँगा
तो कौन मना लेगा
कौन प्यार से बिठा गोद में
मनचाही चीज़ें देगा।

lqHkæk कqekjh pkSgku

## कविता और तुम

1. तुम्हें किसी–न–किसी बात पर रूठने के मौके तो मिलते ही होंगे–

   (क) अक्सर तुम किस तरह की बातों पर रूठते हो?

   (ख) माँ के अलावा घर में और कौन–कौन हैं जो तुम्हें मनाते हैं?

2. हम ऐसे कई त्योहार मनाते हैं जो बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल देते हैं। ऐसे त्योहारों के बारे में और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में पता करके कक्षा में सुनाओ।

3. तुमने रामलीला के ज़रिए या फिर किसी कहानी के ज़रिए रामचंद्र के बारे में जाना–समझा होगा। तुम्हें उनकी कौन–सी बातें अच्छी लगीं?

4. नीचे दिए गए भाव कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, उन्हें छाँटो–

   (क) खिलौनेवाला साड़ी नहीं बेचता है।

   (ख) खिलौनेवाला बच्चों को खिलौने लेने के लिए आवाजें लगा रहा है।

   (ग) मुझे कौन–सा खिलौना लेना चाहिए उसमें माँ की सलाह चाहिए।

   (घ) माँ के बिना कौन मनाएगा और कौन गोद में बिठाएगा।

5. 'मूँगफली ले लो मूँगफली!

   गरम करारी टाइम पास मूँगफली!'

   तुमने फेरीवालों को ऐसी आवाज़ें लगाते ज़रूर सुना होगा। तुम्हारे गली–मोहल्ले में ऐसे कौन–से फेरीवाले आते हैं और वे किस ढंग से आवाज़ लगाते हैं? उनका अभिनय करके दिखाओ। वे क्या बोलते हैं, उसका भी एक संग्रह तैयार करो।

## खेल–खिलौने

1. (क) तुम यहाँ लिखे खिलौनों में से किसे लेना पसंद करोगी। क्यों?

| | | |
|---|---|---|
| गेंद | हवाई जहाज़ | मोटरगाड़ी |
| रेलगाड़ी | फिरकी | गुड़िया |
| बर्तन सेट | धनुष–बाण | बल्ला या कुछ और |

(ख) तुम अपने साथियों के साथ कौन–कौन से खेल खेलती हो?

2. **खिलौनेवाला** शब्द संज्ञा में 'वाला' जोड़ने से बना है। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्सों को ध्यान से देखो और संज्ञा, क्रिया आदि पहचानो।

- पानवाले की दुकान आज बंद है।
- मेरी दिल्लीवाली मौसी बस कंडक्टर हैं।
- महमूद पाँच बजे वाली बस से आएगा।
- नंदू को बोलने वाली गुड़िया चाहिए।
- दाढ़ीवाला आदमी कहाँ है?
- इस सामान को ऊपर वाले कमरे में रख दो।
- मैं रात वाली गाड़ी से जम्मू जाऊँगी।

## तुम्हारी रामलीला

- क्या तुमने रामलीला देखी है?रामलीला की किसी एक लघु–कहानी को चुनकर कक्षा में अपनी रामलीला प्रस्तुत करो।

## कविता में कथा

इस कविता में तीन नाम–

राम, कौशल्या और ताड़का आए हैं।

(क) ये तीनों नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्रा हैं?

(ख) ;gha jgw¡xk dkS'kY;k eSa rqedks ;gha cukÅ¡ xkA

इन पंक्तियों का कथा से क्या संबंध है?

(ग) इस कथा के कुछ संदर्भो की बात कविता में हुई है। अपने आस–पास पूछकर इनका पता लगाओ।

- तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों को मैं मार भगाऊँगा।
- तुम कह दोगी वन जाने को हँसते–हँसते जाऊँगा।